श्रीगुरुमाई का सन्देश और सन्देश की कलाकृति

२५ से भी अधिक वर्षों से, गुरुमाई चिद्विलासानन्द नववर्ष की १ जनवरी को एक सन्देश प्रदान करती हैं, ताकि सार्वभौमिक सिद्धयोग संघम् के अध्ययन का केन्द्रण एक समान रहे और सिद्धयोगियों को उनकी साधना में वर्षभर मार्गदर्शन मिलता रहे। वर्ष १९९४ से आरम्भ की गई, गुरुमाई जी के सन्देश की कलाकृति, सिद्धयोगियों को वर्ष के सन्देश के साथ कैसे संलग्न होना है इसके लिए अभिन्न अंग बन गई है।

अब, श्रीगुरुमाई का सन्देश और सन्देश की कलाकृति, शाश्वत प्रज्ञान के सतत बढ़ते हुए ख़ज़ाने का हिस्सा है जिसे सिद्धयोगी अध्ययन और अभ्यास करना व उसे आत्मसात् और लागू करना जारी रखते हैं।

© २०१७ एस.वाय.डी.ए. फ़ाउन्डेशन®। सर्वाधिकार सुरक्षित।